

Padma Shri



SARDAR JAGJIT SINGH DARDI

Sardar Jagjit Singh Dardi is the Chairman of Chardikla Media House which is running one of the largest leading Punjabi TV Channel 'Chardikla Time TV', Daily Chardikla and Bharat Desh Namara Newspapers and chain of Sri Guru Harikrishan Public Schools & Colleges. He is a globally recognized Sikh personality for his role in the Universal welfare by telecasting GURBANI Live from the Holiest Shrines, Gurudwara Bangla Sahib, Hemkunt Sahib and Takhat Sri Harimandir Ji Patna Sahib.

2. Born on 19th January, 1949, at Kurukshetra, Sardar Dardi received his Bachelors degree and Honours in Punjabi from Punjab University and studied at Thapar Institute of Engineering and Technology, Patiala. His father Gyani Harnam Singh was a freedom fighter and famous Akali leader. His mother Principal Harbans Kaur pioneered the Job Oriented Education in Patiala since 1955.

3. Sardar Dardi started his career at a very young age of 12 years, when he courted arrest in Punjabi Suba Morcha in 1960, made sacrifices for the creation of the present Punjabi-speaking State and started writing the news on current affairs. He has 62 years long experience and excellent career in the field of Media. He became the Member of the Press/ Media Advisory Committees of Lok Sabha in 1998 and Rajya Sabha in 2014. Rajya Sabha has also honoured him with the accreditation pass of Long and Distinguished services (L & D) in the Parliament. He is an accredited Editor of Government of India (PIB) and State Governments of Punjab & Haryana.

4. Sardar Dardi started his Punjabi Newspaper Chardikla in November, 1969 on the eve of 500th Parkash Gurburab of Sri Guru Nanak Dev ji, firstly as a souvenir then as a fortnightly and later as a weekly newspaper. In May, 1977 Chardikla became a Daily Newspaper and is now one of the top 4 Punjabi Dailies of our country. In addition, he started a Hindi Daily "Bharat Desh Hamara" in 1985 and continued its publication even during the difficult times of terrorism in Punjab.

5. Sardar Dardi has achieved the heights of excellence not only in the field of Print Media but also in the field of Electronic Media. He started Live telecast on Chardikla Time TV from Gurudwara Bangla Sahib, New Delhi in 2007, Hemkunt Sahib, in 2011 and the birth place of Sri Guru Gobind Singh ji, Takhat Sri Harimandir ji Patna Sahib in 2015. All these Live Telecasts from the sanctum sanctorum of these holiest shrines were started first time by him for the welfare of humanity

6. Sardar Dardi has created a glorious history of more than 50 years for serving the cause of patriotism, communal harmony, National integration, Punjabi language, culture, moral values, Indian heritage amongst its readers and viewers and has been able to establish his global creditability through his Electronic, Print and Social Media platforms.

7. Sardar Dardi is a recipient of numerous awards and honours like the titles of 'Sher-e-Patiala' in 1981 by Citizen Council, 'Shiromani Punjabi' by World Punjabi Conference Toronto, Canada in 1989; 'Shiromani Sahitkar' by Government of Punjab in 1992; 'Shiromani Patarkar' by Shri K.R Narayanan, Vice President of India in 1996; 'Sahit Rattan' Award by World Punjabi Conference Wisconsin, USA in 1997; 'Bharti Udyog Ratan' Award by Indian Economic Research Association in 1996; 'Punjab Rattan' by Governor of Punjab in 2000 etc. He has been honoured by all the 5 highest temporal seats of Khalsa Path and bestowed upon with the Title of "BHAH SAHIB" by Takhat Sri Harimandir ji Patna Sahib in 2019.

पद्म श्री



सरदार जगजीत सिंह दर्दी

सरदार जगजीत सिंह दर्दी चढ़दीकला मीडिया हाउस के अध्यक्ष हैं, जो प्रमुख पंजाबी टीवी चैनलों में से एक 'चढ़दीकला टाइम टीवी', दैनिक चढ़दीकला और भारत देश हमारा समाचारपत्र और श्री गुरु हरिकृष्ण पब्लिक स्कूलों और कॉलेजों की श्रृंखला का संचालन करता है। वे सबसे पवित्र धर्म स्थलों गुरुद्वारा बंगला साहिब, हेमकुंट साहिब और तख्त श्री हरिमंदिरजी पटना साहिब से गुरबानी लाइव का प्रसारण करके विश्व कल्याण में अपनी भूमिका के लिए विश्वभर में प्रतिष्ठित हैं।

2. 19 जनवरी, 1949 को कुरुक्षेत्र में जन्मे, सरदार दर्दी ने पंजाब विश्वविद्यालय से पंजाबी में स्नातक की डिग्री और ऑनर्स प्राप्त किया और थापर इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, पटियाला में अध्ययन किया। उनके पिता ज्ञानी हरनाम सिंह एक स्वतंत्रता सेनानी और प्रसिद्ध अकाली नेता थे। उनकी मां प्रिंसिपल हरबंस कौर ने वर्ष 1955 से पटियाला में जॉब ओरिएंटेड एजुकेशन का बीड़ा उठाया है।

3. सरदार दर्दी ने अपने करियर की शुरुआत 12 साल की छोटी उम्र में की थी, जब उन्होंने वर्ष 1960 में पंजाबी सूबा मोर्चा में गिरफ्तारी दी, वर्तमान पंजाबी भाषी राज्य के निर्माण के लिए संघर्ष किया और समसामयिक घटनाओं पर समाचार लिखने शुरू किए। उनके पास मीडिया के क्षेत्र में 62 साल का लंबा अनुभव और उत्कृष्ट करियर है। वे वर्ष 1998 में लोकसभा की प्रेस/मीडिया सलाहकार समितियों और वर्ष 2014 में राज्यसभा के सदस्य बने। राज्यसभा ने उन्हें संसद में इनकी दीर्घ और विशिष्ट सेवाओं के लिए भी सम्मान स्वरूप एक्स्टेंडिशन पास दिया है। वे भारत सरकार (पीआईबी) और पंजाब और हरियाणा की राज्य सरकारों के मान्यता-प्राप्त संपादक हैं।

4. सरदार दर्दी ने अपना पंजाबी अखबार चढ़दीकला नवंबर 1969 में श्री गुरु नानक देव जी के 500वें प्रकाश गुरुपर्व की पूर्व संध्या पर शुरू किया, पहले यह एक स्मारिका के रूप में शुरू हुआ, फिर एक पाक्षिक और बाद में एक साप्ताहिक समाचार पत्र के रूप में चला। मई 1977 में चढ़दीकला एक दैनिक समाचार पत्र बना और अब यह हमारे देश के शीर्ष 4 पंजाबी दैनिकों में से एक है। इसके अलावा, उन्होंने वर्ष 1985 में एक हिंदी दैनिक "भारत देश हमारा" शुरू किया और पंजाब में आतंकवाद के कठिन समय के दौरान भी इसका प्रकाशन जारी रखा।

5. सरदार दर्दी ने न केवल प्रिंट मीडिया के क्षेत्र में बल्कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के क्षेत्र में भी उत्कृष्टता हासिल की है। उन्होंने वर्ष 2007 में गुरुद्वारा बंगला साहिब, नई दिल्ली से चढ़दीकला टाइम टीवी पर, वर्ष 2011 में हेमकुंट साहिब और वर्ष 2015 में श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के जन्म स्थान, तख्त श्री हरिमंदिरजी पटना साहिब से लाइव प्रसारण शुरू किया। पहली बार इन सबसे पवित्र तीर्थस्थलों के गर्भगृह से इन सभी का सीधा प्रसारण मानवता के कल्याण के लिए उनके द्वारा ही शुरू किया गया।

6. सरदार दर्दी ने अपने पाठकों और दर्शकों के बीच देशभक्ति, सांप्रदायिक सद्भाव, राष्ट्रीय एकता, पंजाबी भाषा, संस्कृति, नैतिक मूल्यों, भारतीय विरासत के उद्देश्य को पूरा करने के लिए 50 से अधिक वर्षों के गौरवशाली इतिहास का सृजन किया है और अपने इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से स्वयं को वैश्विक स्तर पर स्थापित किया है।

7. सरदार दर्दी को कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं जैसे कि वर्ष 1981 में सिटिजन काउंसिल द्वारा 'शेर-ए-पटियाला' की उपाधि; वर्ष 1989 में वर्ल्ड पंजाबी कॉन्फ्रेंस टोरंटो, कनाडा द्वारा 'शिरोमणि पंजाबी'; वर्ष 1992 में पंजाब सरकार द्वारा 'शिरोमणि साहित्यकार'; वर्ष 1996 में भारत के उपराष्ट्रपति श्री के.आर. नारायणन द्वारा 'शिरोमणि पत्रकार'; वर्ष 1997 में विश्व पंजाबी सम्मेलन विस्कॉन्सिन, यूएसए द्वारा 'साहित्य रत्न' पुरस्कार; वर्ष 1996 में भारतीय आर्थिक अनुसंधान संघ द्वारा 'भारती उद्योग रत्न' पुरस्कार; वर्ष 2000 में पंजाब के राज्यपाल द्वारा 'पंजाब रत्न' आदि। उन्हें खालसा पंथ की सभी 5 सर्वोच्च टेम्पोरल सीटों से सम्मानित किया गया है और वर्ष 2019 में तख्त श्री हरिमंदिरजी पटना साहिब द्वारा "भाई साहिब" की उपाधि से सम्मानित किया गया है।